वन उत्पादकता संस्थान रांची
विश्व पर्यावरण दिवस
5 जून 2020

वन उत्पादकता संस्थान, रांची एवं वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, पूर्वी-मध्य क्षेत्रीय कार्यालय, रांची, भारत सरकार के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित विश्व पर्यावरण दिवस, 2020 के अवसर पर "जैव विविधता" विषय पर दिनांक 05.06.2020 को आभासी यथार्थ/ उपस्थिती (Webinar) के माध्यम से कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

संस्थान के निदेशक, डा. नितिन कुलकर्णी द्वारा मुख्य अतिथि श्री भारत ज्योति, *भा.व.से.*, उप महानिदेशक, वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, पूर्व-मध्य क्षेत्रीय कार्यालय,रांची का स्वागत किया एवम पूर्वी मध्य क्षेत्रीय कार्यालय के अन्य अधिकारियों, उपस्थित वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों का भी स्वागत किया| डॉ. कुलकर्णी ने विश्व पर्यावरण दिवस, 2020 के अवसर पर वेबिनार को संबोधित करते हुए बढ़ते वायु प्रदूषण एवं इससे फैलते विकृति पर अपने विचार रखे। उन्होनें कहा कि वनों की अंधाधुध कटाई, खदान, उद्योग व पृथ्वी पर बढते वाहनों की संख्या, ध्वनि, वायु और मृदा प्रदूषण के विकराल रूप लेने के कारण हैं। उन्होनें जानकारी दी की WHO के मानकों के अनुसार भारत में हम दस गुना अधिक प्रदूषित वायु में सांस ले रहे हैं। कोविड–19 (COVID-19) के कारण देश में हुए लॉकडाउन (lockdown) के कारण देश में सभी औद्योगिक एवं वाहन की गतिविधियां बंद रहने के कारण वायु, जल, ध्वनि आदि सभी प्रकार के प्रदूषण में कमी आई है जिसका वर्तमान उदाहरण है कि वन्य जीव–जन्तु स्वछंद रूप मे भ्रमण करते हुए शहरों तक आ गए हैं| नदियों कि स्वछता कि स्थिति कि तुलना 70 वर्ष पूर्व कि स्थिति के साथ की जा रही है| उन्होनें बताया कि वनों को विकसित करना जरूरी है| अधिक से अधिक पेड़ लगाकर उन्हें सुरक्षित रखना होगा और इसके लिए जन–जन तक जागुरुकता अभियान चलाने पर बल दिया |

इस कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के मध्य लेख, स्लोगन एवं चित्रकला के ऑनलाइन प्रतियोगिताओं क आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न स्तर के विद्यार्थियों ने बढ़–चढ़कर कर ई–मेल के माध्यम से भाग लिया।

इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, श्री भारत ज्योति, *भा.व.से.*, उप महानिदेशक (केन्द्रीय), पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, पूर्व मध्य क्षेत्रीय कार्यालय, भारत सरकार, रांची ने अपने व्याख्यान में वायु प्रदूषण के मुख्य कारणों का जिक्र किया तथा उन्हें कम करने के उपायों पर भी प्रकाश डाला। उन्होनें सौर ऊर्जा के उपयोग पर ज़ोर दिया ताकि प्रदूषण कम हो सके और वातावरण स्वच्छ हो सके। शहरी वनीकरण की चर्चा करते हुए उन्होनें जनसंख्या के अनुपात में शहरी वनीकरण पर बल दिया तथा समस्त संस्थाओं एवं इकाइयों का इसमें सहयोग अपेक्षित बताया। उन्होनें वनों के विकास पर ज़ोर डालते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति पौधे लगाए और उनकी उचित देखभाल करें।

संस्थान के समूह समन्वयक (अनुसंधान), डॉ. योगेश्वर मिश्रा ने विश्व पर्यावरण दिवस मनाए जाने के उद्देश्यों का वर्णन करते हुए बताया कि वर्तमान में पर्यावरण एवं प्रकृति को बचाए रखना सभी नागरिकों का प्रथम कर्तव्य है। वर्ष 2020 के थीम जैव विविधता पर परिचय देते हुए उन्होनें बताया कि जन भागीदारी एवं सरकार के सहयोग से ही इसकी रक्षा की जा सकती है और इसको बचाए रखने के लिए शहरी क्षेत्रों में भी वनों का प्रतिशत बढ़ाए जाने की आवश्यकता है ताकि इससे लोगों का अच्छा स्वाश्थय सुनिश्चित हो तथा जैव विविधता भी संरक्षित हो।

इस अवसर पर श्री संजीव कुमार, वैज्ञानिक–ईएवं प्रभागाध्यक्ष,वन पारिस्थितिक प्रभाग, श्री रवि शंकर प्रसाद, मुख्य तकनीकी अधिकारी, श्री कनाई लाल डे, तकनीकी अधिकारी, श्री राजकुमार, जे.पी.एफ, सुश्री शालिनि वत्स, जे.पी.एफ, श्री वैभव पाठक, जे.पी.एफ द्वारा विभिन्न विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर लेख, चित्र कला एवं स्लोगन प्रतियोगिता में सफल प्रतिभागियों को क्रमशः सुश्री परिधी, सुश्री निलिमा निलय, श्री यशराज, श्री जय प्रकाश हेंब्रम, सुश्री सौम्या कुमारी, श्री विकास कुमार सिंह, श्री उत्कर्ष कुमार, सुश्री भावना कुमारी, श्री यश राज, श्री उमेश यादव एवं श्रीमती खुशबू कुमारी को संस्थान के श्री संजीव कुमार, वैज्ञानिक–ई, द्वारा विजेता घोषित किया गया|

कार्यक्रम का संचालन श्रीमती रूबी एस.कुजूर, वैज्ञानिक–सी ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. टी.एच.महतो, वैज्ञानिक–डी, वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, रांची ने प्रस्तुत किया| इस अवसर पर संयुक्त रूप से 60 प्रतिभागी कार्यक्रम में सम्मलित हुये|

कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री संजीव कुमार, वैज्ञानिक–ई, डॉ.एस.एन.मिश्रा, मुख्य तकनीकी अधिकारी, श्री एस.एन. वैद्य, मुख्य तकनीकी अधिकारी, श्रीमती सुमिता सरकार, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, श्री बी.डी. पंडित, तकनीकी अधिकारी, श्री सूरज कुमार, वरिष्ठ तकनीकी सहायक, श्री बसंत कुमार, तकनीकी सहायक, एवं आदर्श राज का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

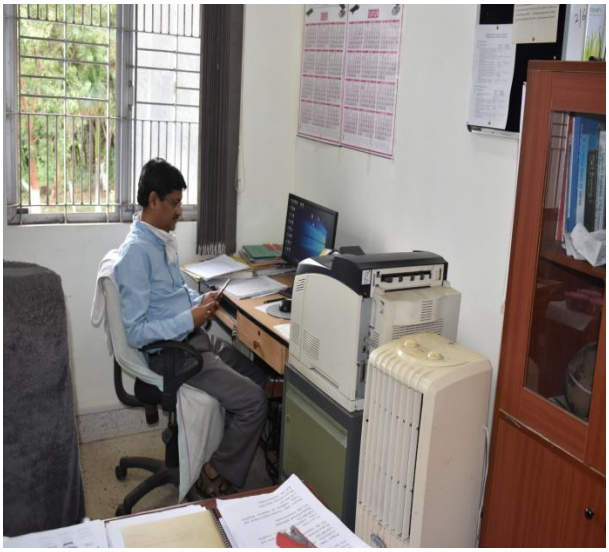

विश्व पर्यावरण दिवस का आभासी यथार्थ/ उपस्थिती (Webinar) के माध्यम से कार्यक्रम की झलकियाँ

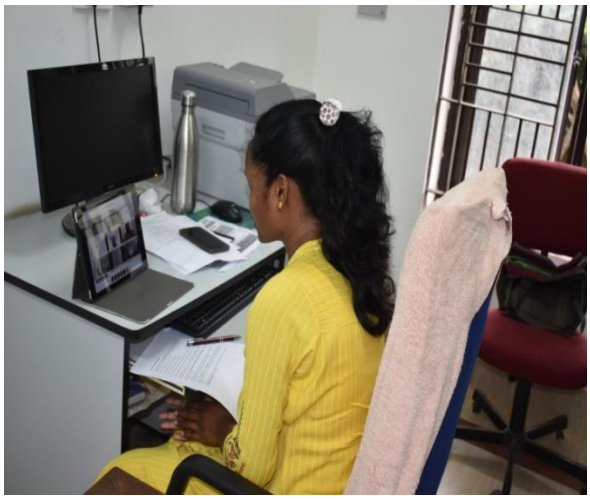

विश्व पर्यावरण दिवस का आभासी यथार्थ/ उपस्थिती (Webinar) के माध्यम से कार्यक्रम की झलकियाँ

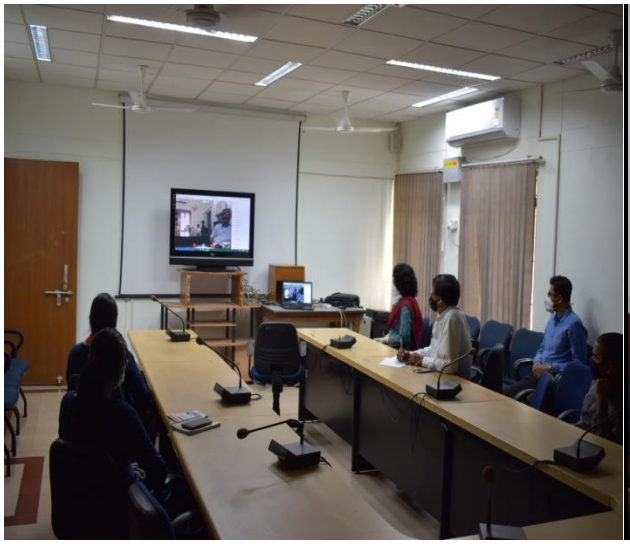
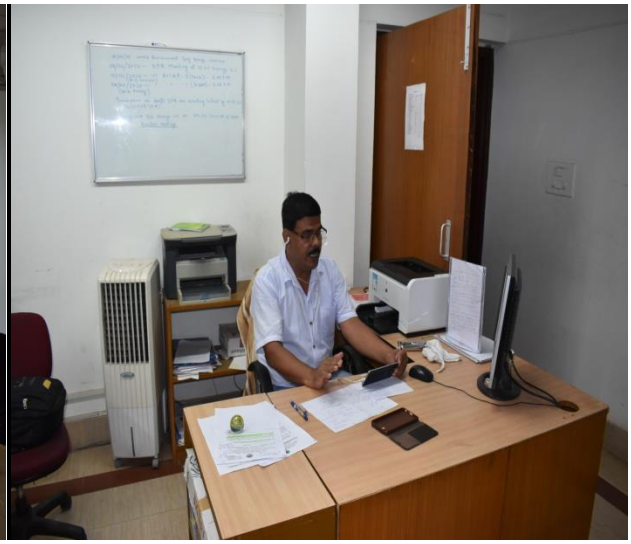

विश्व पर्यावरण दिवस का आभासी यथार्थ/ उपस्थिती (Webinar) के माध्यम से कार्यक्रम की झलकियाँ